प्रमुख विशेषता थी।

प्रश्न 5— सोवियत साम्यवादी दल के बीस-वर्षीय कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की व्याख्या कीजिए।

Discuss the main objectives and targets of the twenty years programme of the Soviet Communist party.

उत्तर—अक्तूबर 1961 में हुए सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी के 22 वें अधिवेशन में साम्यवादी समाज की स्थापना के लिए बीस-वर्षीय कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का प्रारूप प्रस्तुत करते हुए खुश्चेव (Khrushchev) ने कहा था, "अब हमारा देश नए शिखर अर्थात् साम्यवाद के शिखर की ओर अग्रसर हो रहा है। अपने संघर्ष में श्रमिक वर्ग तथा उनकी कम्युनिस्ट पार्टी को तीन ऐतिहासिक अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है—शोषणकर्त्ताओं के शासन की बलपूर्वक समाप्ति द्वारा सर्वहारा वर्ग की तानाशाही की स्थापना, समाजवाद का निर्माण तथा साम्यवादी समाज का सृजन। हमारी पार्टी और जनता प्रथम दो अवस्थाओं से गुजर चुकी है। बीसवीं शताब्दी अपूर्व साम्यवादी विजय की शताब्दी के पूर्वार्द्ध में समाजवाद ने हमारे धरातल पर पैर जमाया तथा उत्तरार्द्ध में साम्यवाद अपना पैर जमाएगा। इसका मार्ग साम्यवादी पार्टी के नए कार्यक्रम में दर्शाया गया है, जिसे वर्तमान युग का साम्यवादी घोषणा-पत्र माना जा सकता है।"

कार्यक्रम के उद्देश्य—इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सोवियत संघ में साम्यवादी समाज की स्थापना करना था। खुश्चेव के शब्दों में, "कार्यक्रम का प्रारूप पहली बार महान साम्यवादी नारे 'प्रत्येक से उसकी योग्यतानुसार तथा प्रत्येक को उसकी आवश्यकतानुसार' को साकार रूप देने के ठोस उपाय प्रस्तुत करता है।" इस प्रमुख उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्यक्रम के कुछ राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्य भी स्वीकार किए गए। कार्यक्रम का राजनीतिक उद्देश्य समाजवादी जनतन्त्र के विस्तृत विकास द्वारा सार्वजनिक विषयों के प्रशासन में सभी नागरिकों को भागीदार बनाना तथा समाज को पूर्णरूप से साम्यवादी स्वशासन का सिद्धान्त क्रियान्वित करने योग्य बनाना था। कार्यक्रम का सामाजिक उद्देश्य वर्ग-भेद के अवशेषों को समाप्त करते हुए वर्गहीन समाज की स्था

गाँवों और शहरों के बीच तथा शारीरिक एवं मानसिक श्रम के बीच भेदभाव समाप्त करते हुए मनुष्यों में भावनात्मक एकता एवं नैतिक विशुद्धता के गुण विकसित करना था। कार्यक्रम का आर्थिक उद्देश्य रूस की अर्थव्यवस्था का इतना अधिक विकास था, ताकि यह पूंजीवादी देशों की विकसित अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल जाए तथा रूस में प्रतिव्यक्ति आय एवं भौतिक समृद्धि का स्तर संसार के अन्य सभी देशों से ऊँचा हो। इस तरह नए कार्यक्रम के विभिन्न उद्देश्य साम्यवादी पार्टी के नारे 'सब कुछ मानव के लिए, मानव की भलाई के लिए' के अनुरूप थे।

कार्य के लक्ष्य—कार्यक्रम के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बीस-वर्षीय अवधि में 20,00,000 मिलियन रूबल का पूंजीगत निवेश प्रस्तावित किया गया, ताकि रूस 1980 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के कुल उत्पादन तथा प्रतिव्यक्ति उत्पादन से आगे निकल जाए। बीस वर्षों (1961-80) के भीतर रूस की राष्ट्रीय आय में 5 गुनी तथा प्रतिव्यक्ति वास्तविक आय में ढाई गुनी वृद्धि का लक्ष्य रक्खा गया, ताकि रूसी जनता का रहन-सहन का स्तर संसारभर में ऊँचा हो जाए। यह माना गया कि सप्तवर्षीय योजना के अन्त (1965) तक संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ के बीच उत्पादन का अन्तर घटकर 30 प्रतिशत रह जाएगा तथा 1980 तक सोवियत संघ सभी देशों से आगे निकल जाएगा।

इस कार्यक्रम से पूर्व रूस की योजनाओं में औद्योगिक क्षेत्र के लिए प्रस्तावित अधिकांश धन पूंजीगत-वस्तु उद्योगों में निवेश किया जाता था। फलतः 1928 और 1940 के बीच पूंजीगत-वस्तुओं का वार्षिक उत्पादन उपभोक्ता-वस्तुओं की अपेक्षा 70 प्रतिशत अधिक था। 20-वर्षीय कार्यक्रम के अन्तर्गत भारी उद्योगों के विकास को उच्च प्राथमिकता प्रदान की गई; किन्तु भारी उद्योगों के सकल उत्पादन में उपभोक्ता-पदार्थों का हिस्सा बढ़ाने का लक्ष्य रक्खा गया, ताकि 1980 तक पूंजीगत-वस्तुओं तथा उपभोक्ता-वस्तुओं के बीच वार्षिक उत्पादन का अन्तर घटकर लगभग 20 प्रतिशत रह जाए। कार्यक्रम की रूपरेखा में कहा गया। उद्योग के वृद्धिशील संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग सोवियत जनता की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा इसकी घरेलू एवं सांस्कृतिक आवश्यकताएँ पूरी करने वाले उद्योगों की स्थापना में होना चाहिए। उपभोक्ता-वस्तुओं का उत्पादन उपभोक्ताओं की बढ़ती हुई और परिवर्तित माँग के अनुरूप होना चाहिए।" इस तरह, बीस-वर्षीय कार्यक्रम के अन्तर्गत उपभोक्ता-वस्तु उद्योगों तथा पूंजीगत-वस्तु उद्योगों के बीच सामंजस्य की स्थापना का प्रयास सम्मिलित था। 1960 से लेकर 1980 तक पूंजीगत-वस्तुओं के उत्पादन में सात गुनी तथा उपभोक्ता-वस्तुओं के उत्पादन में पाँच गुनी वृद्धि प्रस्तावित की गई। निम्न तालिका 20-वर्षीय कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रमुख उद्योगों के लिए विकास के भौतिक लक्ष्यों का निर्धारण दर्शाती है—

वस्तुत: 20-वर्षीय कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास के लक्ष्य सुनियोजित आधार पर निश्चित किए गए थे तथा इन्हें प्राप्त करने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए गए थे। बीस वर्षों के भीतर में सकल राष्ट्रीय उत्पाद में पाँच गुनी, औद्योगिक उत्पादन में छः गुनी, कृषि-उत्पादन में साढ़े तीन गुनी, औद्योगिक श्रम की उत्पादकता में साढ़े चार गुनी तथा कृषि-श्रम की उत्पादकता में 5 से 6 गुनी वृद्धि प्रस्तावित थी। यह अनुमान लगाया गया कि 1980 तक सोवियत संघ की जनसंख्या बढ़कर 28 करोड़ हो जाएगी, जो अपनी आवश्यकता की सभी वस्तुएँ सुगमतापूर्वक प्राप्त करने लगेगी।

कार्यक्रम के अन्तर्गत श्रमिकों के काम के घण्टों में कमी, सवैतनिक अवकाश में वृद्धि तथा न्यूनतम मजदूरी में व्यवस्थित ढ़ंग से वृद्धि द्वारा न्यूनतम एवं उच्चतम मजदूरियों का अन्तर घटाने का प्रयास सम्मिलित था। 1970 तक काम के साप्तहिक घण्टे घटाकर 35 तथा 1980 तक 32 कर देना प्रस्तावित था। यह अनुमान लगाया गया कि 1980 तक सोवियत रूस संसार का सबसे कम कार्य के घण्टों तथा अधिक सवैतनिक अवकाश प्रदान करने वाला देश हो जाएगा। कार्यक्रम के अन्तर्गत अनेक जन-कल्याण सेवाओं का प्रावधान भी सम्मिलित था, जैसे—निःशुल्क शिक्षा एव चिकित्सा की व्यवस्था, असमर्थ व्यक्तियों की समाज द्वारा देखभाल, निःशुल्क आवास तथा म्युनिसिपल यातायात की सुविधा, औद्योगिक श्रमिकों और सामूहिक किसानों के लिए दिन के भोजन की मुफ्त व्यवस्था, आदि।

कार्यक्रम की उपलब्धियाँ—सोवियत साम्यवादी पार्टी के 20-वर्षीय कार्यक्रम की उपलब्धियाँ उत्साहवर्द्धक मानी जा सकती है। सोवियत संघ की सातवीं, आठवीं, नवीं और दसवीं योजना का निर्माण इसी कार्यक्रम के सन्दर्भ में हुआ। 1980 में विद्युतशक्ति का उत्पादन 1295 मिलियार्ड किलोवाट, खनिज तेल का उत्पादन 603 मिलियन टन, प्राकृतिक गैस का उत्पादन 435 मिलियन घन मीटर, कोयले का उत्पादन 716 मिलियन टन, सीमेन्ट का उत्पादन 124 मिलियन टन, वस्त्र का उत्पादन 10·7 मिलियार्ड वर्ग मीटर, खाद्यान्न का उत्पादन 205 मिलियन टन, कपास का उत्पादन 10 मिलियन टन, चुकन्दर का उत्पादन 88 4 मिलियन टन, ऊन का उत्पादन 460 हजार टन तथा दूध का उत्पादन 92·6 मिलियन टन हुआ। चूंकि बीस-वर्षीय कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य अत्यधिक महत्वाकांक्षी थे, इसलिए अधिकांश लक्ष्य पूरे नहीं हो पाए। ख्रुश्चेव का यह दावा भी पूरा नहीं हो पाया कि 1980 तक रूस में प्रतिव्यक्ति आय बढ़कर सयुक्त राज्य अमेरिका तथा दूसरे विकसित पूंजीवादी देशों से अधिक हो जायेगी। निस्सन्देह 1960 और 1980 के बीच रूस में प्रतिव्यक्ति वास्तविक आय की वार्षिक वृद्धि-दर (औसतन 4 प्रतिशत) विकसित पूंजीवादी देशों से अधिक रही, किन्तु प्रतिव्यक्ति आय का स्तर बहुत नीचा रहा। 1980 में प्रतिव्यक्ति वास्तविक आय संयुक्त राज्य अमेरिका में 11,360 डॉलर थी, जबकि सोवियत संघ में केवल 4,550 डॉलर। वस्तुत: रूस में प्रतिव्यक्ति आय का स्तर पूर्वी जर्मनी और चैकोस्लोवाकिया सरीखे साम्यवादी देशों से भी नीचा था।

उद्योग	इकाई	1960 (वास्तविक)	1980 (लक्ष्य)
कुल औद्योगिक उत्पादन	मिलियन रूबल	155	970 से 1000
पूंजीगत-वस्तुओं का उत्पादन	" "	105	720 से 740
उपभोक्ता-वस्तुओं का उत्पादन	" "	50	250 से 260
विद्युत शक्ति	मिलियार्ड किलोवाट	292	2700 से 3000
इस्पात	मिलियन टन	65	250
खनिज तेल	" "	148	690 से 710
प्राकृतिक गैस	मिलियन घन मीटर	47	680 से 720
कोयला	मिलियन टन	513	1180 से 1200
सीमेन्ट	" "	46	223 से 245
वस्त्र	मिलियन वर्गमीटर	7	20 से 22
चमड़े के जूते	मिलियन जोड़े	419	900 से 1000

कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्युत शक्ति के उत्पादन पर अधिक बल दिया गया। यह अनुमान लगाया गया कि 1980 में विद्युतशक्ति का उत्पादन बढ़कर 3000 मिलियार्ड किलोवाट प्रति घण्टा हो जाएगा, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में विद्युतशक्ति के उत्पादन से अधिक होगा।

कार्यक्रम के अन्तर्गत सकल कृषि-उत्पादन में साढ़े तीन गुनी, खाद्यान्न के उत्पादन में दुगुनी, दूध के उत्पादन में तीन गुनी तथा मांस के उत्पादन में चार गुनी वृद्धि के लक्ष्य निर्धारित किए गए। निम्न तालिका प्रमुख कृषि-उत्पादों के लिए निर्धारित भौतिक लक्ष्य दर्शाती है—

उत्पाद	इकाई	1960 (वास्तविक)	1980 (लक्ष्य)
खाद्यान्न	मिलियार्ड पूड	8·2	18–19
मांस	मिलियन टन	8·7	30–32
दूध	" "	61·7	170–180
अण्डा	संख्या मिलियार्ड में	274	110–116
ऊन	हजार टन	35·7	1045–1155
कपास	मिलियन टन	4.3	10–11
चुकन्दर	" "	57.7	98–108
आलू	" "	84.4	156
तिलहन	" "	4.3	9–10